>

Title: Need to take steps for development of Vikramshila in Bihar.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : सभापति महोदय, मैं अपनी सीट से बोलना चाहता था लेकिन अब तो चुनाव होने वाला है, मुझे सीट का पता नहीं है, मुझे इधर से बोलना पड़ेगा या उधर से बोलना पड़ेगा। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You have spoken in the morning; if you have forgotten to say something, make that point only now.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : मैं आपका बहुत आभारी हूं और आपका शुक्रगुज़ार हूं, आप बहुत बड़े दिल के इंसान हैं। आप हमें बोलना का हरदम मौका देते हैं, इसके लिए पहले मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं एक महत्वपूर्ण विषय के बारे में बोलना चाहता हूं। भागलपुर, जहां से मैं सांसद हूं, यह गंगा के तट पर बसा हुआ है। आप जानते हैं कि जब अखंड भारत था तो तीन संस्कृति - नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला। तक्षशिला तो पाकिस्तान में चला गया लेकिन नालंदा की बड़ी चर्चा हुई है। सौभाग्य से माननीय मुख्य मंत्री जी, नीतिश कुमार जी नालंदा से आते हैं। जब यह बिहार के मुख्य मंत्री बने तो नालंदा पर इनका ध्यान खूब रहा। यहां तरक्की भी हुई है। यह बिहार का ही नहीं बल्कि देश की धरोहर है इसके लिए हमें बहुत खुशी है लेकिन साथ में, विक्रमशिला की उपेक्षा भी बहुत हुई है। आज विक्रमशिला जाने के लिए जो एनएच-80 है, वह बहुत खराब हालत में है। वहां विदेशी टूरिस्ट्स आते हैं लेकिन सड़क ठीक नहीं है। इसके लिए मैंने भारत सरकार के अधिकारियों से मिला हूं। इन्होंने मेरा सहयोग किया है लेकिन बिहार सरकार को वहां जो सड़क बनानी चाहिए थी, वह नहीं बनी है, इससे न केवल बिहार की बल्कि देश की बदनामी होती है। नालंदा जाने के लिए लोग पटना उतर कर जाते हैं लेकिन वहां एयरपोर्ट की कमी है। भागलपुर में एयरपोर्ट बनता तो अच्छा होता। विक्रमशिला, सिर्फ बिहार सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, यह देश की भी जिम्मेदारी है। अपने सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करना देश की जिम्मेदारी है। भागलपुर में बड़ी तादाद में लोग गंगा में डॉल्फिन देखने के लिए टूरिस्ट्स आते हैं। लोग वहां अंगराज कर्ण की भूमि को देखने जाते हैं। वह दानवीर कर्ण की भूमि है। उसे अंग प्रदेश कहा जाता है। हमारी बात मान कर ममता दीदी ने अंग एक्सप्रेस गाड़ी चला दी। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय, मैं संक्षेप में अपनी बात कहना चाहता हूं। वह क्षेत्र बहुत बड़ा माना जाता है। आज विक्रमशिला की जो उपेक्षा हो रही है। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं, और आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहता हूं, आजकल उनसे डायरेक्ट बातचीत नहीं है, हम कैरेसपॉंडेंस करते हैं, तो वहां से खत का जवाब नहीं आता है। आपके माध्यम से मैं यह कहना चाहता हूं कि विक्रमशिला पर बिहार सरकार भी ध्यान दे और केन्द्र सरकार भी ध्यान दे। भागलपुर की उपेक्षा करना बंद करे, नहीं तो हमारी सरकार आएगी तो हम उसकी चिंता खुद कर लेंगे।

सभापति महोदय : श्री अजय कुमार।

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): इनको दो-दो बार बोलने का मौका दे रहे हैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कौन बोला?

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Hon. Members are motivated because today there is order in the House.